>

Title: Situation arising out of non-payment for procurement of mustard to thousands of farmers in Rajasthan because of dishonoured cheques issued by the Government agencies.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में इस वर्ा हुई बम्पर सरसों की समर्थन मूल्य पर हुई खरीददारी के बाद किसानों को उनके उत्पादन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार किसानों के लगभग 2000 करोड़ रुप्यों का भुगतान होना बाकी है। राज्य सरकार अपनी अक्षमताओं का ठीकरा केन्द्र सरकार पर मढ़ रही है। राज्य सरकार की खरीद एजेन्सी राजफैड के पास समुचित भण्डारण व्यवस्था एवं पैसा न होने के कारण कई स्थानों पर सरसों की खरीद बंद कर दी गई है। राजस्थान में किसान परिवारों में आने वाले दिनों में विशो 11 मई को आखातीज को बहुत सारी शादियां होनी बाकी हैं। किसान बिना पैसे के कैसे शादी सम्पन्न करेंगे ? सरकारी खरीद एजेन्सियों की ओर से किसानों को दिये गये चैक अनादरित (बाउंस) हो गये हैं। गंगानगर स्थित पंजाब नेशनल बैंक ने इस बात की पुटि की है कि लाखों रुप्यों के चैक बाउंस हुए हैं। 32 करोड़ रुप्ये का किसानों को पेमेंट होना बाकी है। मैं माननीय कृि मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि इस मामले में तुरन्त हस्तक्षेप करके आने वाले एक-दो दिनों में ही किसानों का भुगतान करवाने की व्यवस्था करवाएं ताकि किसान हंसी खुशी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी कर सकें। आपने मुझे राजस्थान में हजारों किसानों के भुगतान की मांग का मामला उठाने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Thank you. Now, our last speaker, Shri V. Radhakrishnan Ji.